AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन रॉची जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072

Website: www.bauranchi.org/www.bau-eagriculture.com

Date: 17.04.18
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	39	40	40	39	40
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	24	24	24	24	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	14-35	11-19	07-17	07-21	08-85
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	6	10	7	6	6
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रबंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधों (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई - गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA
DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन खूँटी जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072
Website: www.bauranchi.org/www.bau-eagriculture.com
Date: 17.04.18
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	39	40	40	39	40
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	24	24	24	24	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	15-37	12-22	06-18	06-30	07-74
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	4	8	5	4	8
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रबंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधों (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई –गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन बोकारो जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072

Website: www.bauranchi.org/www.bau-eagriculture.com

Date: 17.04.18
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	41	42	43	42	42
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	23	24	24	24	24
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	10-29	09-24	06-22	06-41	07-85
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	9	6	4	5	5
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ। जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रवंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।
गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधों (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दवाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई –गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फ्ल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन हजारीबाग जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072
Website: www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com
Date: 17.04.18
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	40	40	39	40	42
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	24	22	23	24	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	11-29	09-19	08-16	07-32	08-79
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	10	12	10	6	6
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ। जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रवंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।
गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधें (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई –गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फ्ल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्ड्यु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन रामगढ़ जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072
Website: www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com
Date: 17.04.18
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	39	39	38	39	40
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	24	22	22	22	22
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	12-31	09-19	07-15	07-28	07-86
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	9	10	8	4	3
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रवंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधें (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दवाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई –गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन चतरा जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072
Website: www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com
Date: 17.04.18
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	44	44	45	45	44
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	25	25	26	26	25
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	11-30	08-19	07-16	07-24	07-58
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	9	10	8	9	6
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रबंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधों (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रक्रिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई - गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन गुमला जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072
Website: www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com

Date: 17.04.18

email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	39	40	40	39	40
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	24	24	24	24	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	15-36	12-21	07-18	07-20	07-55
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	4	8	6	7	7
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रबंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधों (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई -गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फ्ल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन सिमडेगा जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Website: www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com

IMD, PUNE

Date: 17.04.18
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	41	41	42	41	40
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	23	24	24	24	24
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	15-35	12-23	06-18	06-23	06-51
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	4	7	4	4	10
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रबंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधों (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई -गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

v

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन लोहरदग्गा जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072
Website: www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com
Date: 15.04.18
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	39	40	40	39	40
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	24	24	24	24	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	13-36	10-22	08-21	07-21	07-56
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	4	7	4	7	2
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	उत्तर पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रबंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधों (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई –गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फ्ल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन पलामू जिला के लिए

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072

Website: www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com

Date: 17.04.18
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	44	44	45	45	44
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	25	25	26	26	25
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	10-29	08-18	07-17	06-18	06-48
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	9	7	8	6
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रबंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधों (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई -गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। बैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन गढ़वा जिला के लिए

IMD, PUNE

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI
Mob.: 9431354072

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Date: 17.04.18

Website: www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com
email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	44	44	45	45	44
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	25	25	26	26	25
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	11-27	08-18	07-17	06-20	06-33
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	8	7	4	3
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रवंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधें (जिसमें बालियॉ काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई –गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉ	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। वैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं वंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से वचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फ्ल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे– छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्डयु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के बोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

AMFU, RANCHI

GRAMIN KRISHI MAUSAM SEVA

DEPARTMENT OF AGROMETEOROLOGY & ENVIRONMENTAL SCIENCE

BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

IMD, PUNE

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन लातेहार जिला के लिए

Ref.: 5/4 AAS/RANCHI

Mob.: 9431354072

(18 से 22 अप्रैल के लिए)

Date: 17.04.18

Website: www.bauranchi.org /www.bau-eagriculture.com

email: amfuranchi@gmail.com

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	18 अप्रैल	19 अप्रैल	20 अप्रैल	21 अप्रैल	22 अप्रैल
वर्षा (मिलीमीटर)	0	0	0	0	0
आकाश में बादल की स्थिति	हल्के बादल रहेंगे	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	आकाश साफ रहेगा	हल्के बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	44	44	45	45	44
न्युनतम तापमान (डिग्री से.)	25	25	26	26	25
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	12-31	09-20	07-19	07-20	06-47
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	6	8	5	6	3
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। ऐसे मौसम में फसल की जल की आवश्यकता बढ़ जाती है।अत: किसान भाई अपने फसल एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अत: किसान भाई अपने मवेशियों को धूप में निकलने से बचाएँ, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाएँ तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलवाएँ।

जो किसान भाई **अदरख** एवं **हल्दी** की खेती करना चाहते हैं, वे बोआई के लिए बीज का प्रवंध कर लें। अदरख की उन्नत किस्म **बर्द्धवान, सुरूचि, सुप्रभा, नदिया इत्यादि** तथा हल्दी की उन्नत किस्म **राजेन्द्र सोनिया** का ही चुनाव करें। दोनों ही फसलों की बोआई के लिए एक एकड़ में 8 क्विण्टल बीज की आवश्यकता होती है।

गरमा धान	खेतों में जल जमाव बनाए रखने के लिए मेढ़ को दुरूस्त रखें। अगर खेत में खर - पतवार की समस्या हो तो इसे अवश्य नियंत्रित करें।
गेहूँ	जो किसान भाई गेहूँ की कटाई कर चुके हैं, वे काटे गये फसल को धूप में अच्छी तरह सूखाने के बाद ही थ्रेसिंग का कार्य करें। साथ ही साथ अनाज भंडारण के पूर्व भी गेहूँ को अच्छी तरह सूखा लें। जो किसान भाई अभी तक गेहूँ की कटाई नहीं कर पाए हों, वे जल्द से जल्द इसकी कटाई का कार्य करें अन्यथा दाने खेतों में ही झड़ने लगेंगे। फसल काटते समय किसान भाई लूज स्मट रोग से ग्रसित पौधों (जिसमें बालियॉं काली हो जाती है) के बालियों को पोलीथीन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा किसी गढढे में दबाकर नष्ट कर दें। रोगी बालियों को काटते समय यह ध्यान रखें कि उसका चूर्ण जमीन पर नहीं गिरे। **यह प्रकिया उन किसान भाइयों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जो इस फसल को अगले वर्ष बीज के रूप में व्यवहार करना चाहते हैं।**
गरमा मूँग	मिट्टी में अगर नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। सिंचाई के पहले निकाई –गुडाई अवश्य करें, ताकि मिट्टी में नमी ज्यादा से ज्यादा दिनों तक रह सके।
सब्जियॉं	इस समय विभिन्न सब्जियों में निकाई – गुड़ाई करने के बाद सिंचाई करें तथा आवश्यकतानुसार उनमें युरिया का भुरकाव करें। जिन किसान भाइयों के पास टमाटर की फसल समाप्ति पर है, वे इसे हटाकर भिण्डी की खेती करें। वैगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं वंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से वचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर बाद करें।
फ्ल वृक्ष	आम एवं लीची के पेड़ों में फल लगने के बाद नियमित रूप से सिंचाई करते रहें। लीची के छोटे- छोटे फल को गिरने से बचाने के लिये पेड़ों में प्लानोफिक्स हारमोन का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से करें। यदि आम एवं लीची के छोटे - छोटे फलों में पाउडरी मिल्ड्यु रोग का लक्षण दिखाई पड़े तो सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को पपीता का पौधा तैयार करना हो, वे इस समय पोलीथीन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दें तथा बीज डालने के बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें। जो किसान भाई इस वर्ष नये फल के पौधे लगाना चाहते हैं, वे फल वृक्ष के अनुसार गढ़ढा खोदकर छोड़ दें।
मवेशी	गर्मी के मौसम में विभिन्न पालतु जानवरों को धूप से बचाकर रखें तथा जानवर के घर के खिड़कियों को दिन में जूट के वोरे से ढक दें तथा इन बोरों को पानी से भीगोते रहें जिससे ठंढी हवा का प्रवेश अन्दर हो सके तथा जानवरों को राहत मिल सके। साथ ही साथ पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर